SHRI ARJUN ARORA : I have not...

THE DEPUTY CHAIRMAN : I have called Mr. Panda.

| SHRI BRAHMANANDA PANDA : Mr. Chatterjee was right in what he i.aid. The Congress happens to be the biggest party and there was a resolution adopted by the Congress. What steps the Government are taking to see that banks are nationalised at an early date?

THE DEPUTY CHAIRMAN : That question has been answered.

*522. *[The questioner (Shri Surjit Singh Alwal) was absent. For answer,* vide *coh.* 3761—3762 infra.]

इंडियन आयल कारपोरेशन द्वारा निर्यात

*523 श्री रामकुमार भुवालका : क्या पेट्रोल तथा रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इंडियन आयल कारपोरेशन ने 1966-67 में कितने मूल्य की कौन-कौन सी वस्तुएं भारत में निर्यात कीं; और

(ख) ये वस्तुएं किन-किन देशों को निर्यात की गईं ?

t [EXPORT BY I.O.C.

*523. SHRI R. K. BHUWALKA : Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state :

(a) the value and the items of goods exported from India by the Indian Oil Corporation during the year 1966-67; and

(b) the names of the countries to which these exports were made.]

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND OF SOCIAL WELFARE (SHRI K. RAGHURAMAIAH) : (a) 18,771 tonnes of Petroleum Products (high octane motor gasoline and high speed diesel oil) valued at Rs. 34,51,616 were exported from India by the Indian Oil Corporation during the year 1966-67.

(b) Thailand.

t[ ] English translation.

†[पेट्रोल तथा रसायन और समाज कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री० के० रघुरमैया) : (क) वर्ष 1966-67 के दौरान भारतीय तेल निगम ने 3,551,616 रुपये के मूल्य के 18,771 मीटरी टन पेट्रोलियम उत्पाद (हाई आक्टेन मोटर गेसोलीन और हाई स्पीड डीजल आयल) का निर्यात किया ।

(ख) थाईलैन्ड]

LIFE INSURANCE BUSINESS

*524. SHRI ARJUN ARORA : Will the Minister of FINANCE be pleased, to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to a recent fall in the number and in the value of life insurance policies in the country;

(b) if so, the directives, if any, issued in the matter; and

(c) the steps taken by the Life Insurance Corporation to meet the situation?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JAGANNATH PAHADIA) : (a) The Corporation has completed Rs. 325 crores of new business during the period April—October, 1967 as compared with Rs. 316 crores during the corresponding period in the previous year.

(b) and (c) Do not arise.

SHRI ARJUN ARORA : May I know what steps the L.I.C. is taking to take life insurance to the rural areas?

SHRI K. C. PANT : The Life Insurance Corporation has taken various steps to extend its service to the rural areas and if we look at the number of new branches etc. opened in the last few years we will find that the L.I.C. is progressively moving into the rural areas.

SHRI ARJUN ARORA : The L.I.C. some time back began a policy for the poorer income group called the Janata Policy. May I know what progress has been made in respect of popularising the Janata Policy?

t[ ] Hindi translation.

SHRI K. C. PANT: Well, the ex-lent of the precise progress I will have to ascertain.

श्री रामकुमार भुवालका : क्या मंत्री जी बतायेंगे कि इस वर्ष एल० आई० सी० में इतना कम काम होने का क्या कारण है ?

श्री के० सी० पन्त : जैसा अभी प्रश्न के उत्तर में बताया गया, अप्रैल से अक्तूबर 1967 में इस साल पिछले साल के मुकाबले कुछ उन्नति हुई है, कमी नहीं हुई है, लेकिन यह सही है 1966-67 में करीब साढ़े 27 करोड़ रुपए की कमी हुई एल० आई० सी० की बिजनेस में। इसके मुख्य कारण हैं आर्थिक कठिनाइयां और सूखा, जिनकी वजह से आमदनी में कमी हुई, खासकर देहाती क्षेत्र में। एक कारण यह भी है कि कारपोरेशन के कुछ एम्प्लाईज ने पिछले साल आन्दोलन किया।

SHRI KRISHNA KANT: Can the hon. Minister kindly give the figures of the L.I.C. business done in the urban areas and in the rural areas separately?

SHRI K. C. PANT : I do not have the figures now.

*525 and *526. *[Transferred to the* 21« *December*, 1967.]

*527. *[The questioner (Shri Ram Sahai) was absent. For answer,* vide *cols.* 3762—3763 infra.]

•fThe question was actually asked or the floor of the House by Shri V. M Chordia.

पौण्ड पावने का अवमूल्यन

*528. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया** †:

श्री सीताराम जयपुरिया : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पौण्ड स्टर्लिंग के अवमूल्यन के परिणामस्वरूप भारत को आर्थिक दृष्टि से कितना लाभ अथवा हानि होने की सम्भावना है; और

(ख) हमारे कितने सौदे वचनबद्ध हैं और उन सौदों पर तथा हमारे व्यापार पर इस अवमूल्यन का क्या प्रभाव पड़ने की सम्भावना है ?

t[DEVALUAT10N OF THE £ STERLING

*528. SHRI V. M. CHORDIA :
SHRI SITARAM JAIPURIA :

Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) the potential economic gain or loss to India as a result of the devaluation of the Pound sterling; and

(b) the number of our committed transactions and the extent to which such transactions and our trade are likely to be affected by this devaluation?]

उपप्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी आर० देसाई) : (क) पौण्ड का 14.3 प्रतिशत अवमूल्यन हो जाने के परिणामस्वरूप ब्रिटेन से किया जाने वाला आयात, जो पिछले कुछ वर्षों में भारत द्वारा किये जाने वाले कुल आयात का लगभग 10 प्रतिशत रहा है, रुपयों के रूप में, दूसरे देशों से किये जाने वाले आयात की तुलना में सस्ता पड़ेगा। भारत द्वारा किये जाने वाले निर्यात पर इसका कुल मिलाकर अधिक बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा, हालांकि, कुछ वस्तुओं के निर्यात में कठिनाइयां पैदा हो सकती हैं; लेकिन निर्यात की अन्य वस्तुओं की मांग पर सम्भवत: कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ब्रिटेन के प्रति भारत की ऋण सम्बन्धी देनदारियों पर, अवमूल्यन का कोई प्रभाव नहीं पड़ा, परन्तु ब्याज सहित ऋण चुकाने के बजट सम्बन्धी भार में, रुपयों के रूप में, 14.3 प्रतिशत कमी हो जायगी। भविष्य में, ब्रिटेन से मिलने वाली सहायता

t[ ] English translation.